केन्द्रीय भण्डारण निगम
(भारत सरकार का उपक्रम)
Central Warehousing Corporation
(A Govt. Of India Undertaking)

CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION UPGRADED TO SCHEDULE "A"

The Government of India have issued order on Tuesday, the 23rd September, 2009 upgrading the status of Central Warehousing Corporation (CWC) from Schedule "B" to Schedule "A" with immediate effect. CWC was last upgraded to Schedule "B" in October, 2001 when it had a storage capacity of 7.9 million tons and a turnover of Rs.340 crore. Today, CWC runs a network of 490 warehouses throughout the country with a storage capacity of 10.6 million tons. The infrastructure of CWC include 72 Custom Bonded Warehouses, 3 Air Cargo Complexes, 36 Container Freight Stations/Inland Clearance Depots and one Trans Border Warehouse/Truck Terminal, all these to facilitate Exim trade. During 2008-09, inspite of economic slowdown, CWC achieved highest turnover of Rs.850 crore and posted a net profit of Rs.110.14 crore.

CWC is an ISO 9001 and 14001 certified Organization providing scientific storage and logistics facilities for more than 400 commodities including agricultural input and produce and other notified commodities. Besides, CWC also offers dis-infestation and pest control services and undertake training of farmers on post-harvest technology for safe storage of foodgrains at farm level.

केन्द्रीय भण्डारण निगम
(भारत सरकार का उपक्रम)
Central Warehousing Corporation
(A Govt. Of India Undertaking)

केंद्रीय भंडारण निगम को अनुसूची –क का दर्जा प्राप्त

नई दिल्ली,:– भारत सरकार ने 23.09.2009, मंगलवार को केंद्रीय भंडारण निगम को अनुसूची "ख" से अनुसूची "क" में तुरंत प्रभाव से दर्जा बढ़ाने के आदेश जारी किए है। इससे पूर्व अक्तूबर, 2001 में केंद्रीय भंडारण निगम को अनुसूची "ख" में रखा गया था। उस समय इसकी भंडारण क्षमता 7.9 मिलियन टन तथा टर्नओवर 340 करोड़ रूपये था। आज, निगम का पूरे देश में 10.6 मिलिटन टन भंडारण क्षमता के 490 वेअरहाउसों का नेटवर्क है। जहॉ तक निगम में उपलब्ध आधारभूत सूविधाओं का संबंध है, निगम के पास 72 कस्टम बॉडेड वेअरहाउस 3 एअर कार्गो काम्पलेक्स, 36 कंटेनर फ्रेट स्टेशन/अंतर्देशीय क्लियरेंस डिपो तथा एक ट्रांस बार्डर वेअरहाउस/ट्रक टर्मिनल है। ये सब सूविधाएँ आयात निर्यात व्यापार को सरल एवं सुगम बनाने के लिए प्रदान की जाती है। वर्ष 2008–2009 में आर्थिक मंदी के बावजूद भी केंद्रीय भंडारण निगम ने 850 करोड़ रूपये का टर्न ओवर किया जो अब तक का सबसे अधिक टर्न ओवर है। निगम ने वर्ष 2008–2009 के दौरान 110.14 करोड़ रू0 का निवल लाभ अर्जित किया है। केंद्रीय भंडारण निगम एक आई.एस.ओ. 9001 एवं 14001 प्रमाणित संगठन है जो पूरे देश में कृषि आदानों एवं उत्पादों तथा अन्य अधिसूचित वस्तुओं सहित 400 से भी अधिक वस्तुओं के लिए वैज्ञानिक भंडारण एवं लॉजिस्टिक सुविधाएँ उपलब्ध कर रहा है। केंद्रीय भंडारण निगम कीट–नाशन एवं पैस्ट नियंत्रण सेवाएँ उपलब्ध कराने सहित फार्म स्तर पर खाद्यानों के सुरक्षित भंडारण के लिए फसल बाद की तकनीकों में किसानों को प्रशिक्षित भी करता है।

CO: 4/1, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, Hauz Khas, New Delhi-110016 TELEFAX NO.2651801